(घ) यदि हां, तो कब तक और उसका स्वरूप क्या होगा

रेलवे उपमन्त्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) जी नहीं। सभी उपनगरी स्टेशनों पर पटरी के बराबर या ऊंचे प्लेटफार्म बने हुए हैं और कुछ स्टेशनों पर शेड भी बने हुए हैं।

(ख) सवाल नहीं उठता।

(ग) और (घ). जिन उपनगरी स्टेशनों पर शेड नहीं हैं, वहां निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शेड बनाने का विचार है, बशर्ते इस काम के लिए धन उपलब्ध हो।

दिल्ली दुग्ध वितरण योजना के डिपुओं से घी की बिक्री

७३३. **श्री क० भे० मालवीय :** क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ऐसे किसी प्रस्ताव पर विचार कर रही है कि दिल्ली दुग्ध वितरण योजना द्वारा तैयार किया गया घी सब दूध के डिपुओं पर मिले; और

(ख) यदि हां, तो प्रस्ता का स्वरूप क्या है ?

कृषि उपमन्त्री (श्री मो० वे० कृष्णप्पा): (क) और (ख). दिल्ली दुग्ध योजना द्वारा बनाया गया घी उसके मिल्क डिपुओं से बेचने का कोई प्रस्ता नहीं है। इन डिपुओं का काम अंश-कालिक कर्मचारियों के द्वारा किया जाता है और वे दो घण्टे के लिए प्रात: और या मध्याह्न बाद कार्य करते हैं और वसारे शहर में फैले हुए हैं। इसके साथ ही, घी का वर्तमान उत्पादन सीमित है और सब डिपुओं की आवश्यकताओं को पूरा नहीं किया जा सकेगा।

Railway Concession to Nurses

734. **Shri Chuni Lal:** Will the Minister of **Railways** be pleased to state for what reasons the Railways do not permit nurses and student nurses (girls) authorized to travel on concession rates from travelling to their destinations by routes other than the direct ones—chosen for reasons of personal safety—and from travelling by Mail or Express Trains?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): Concessions for nurses and student nurses, as in the case of other concessions, are permissible by the reasonably direct route between specific stations and are available by mail or express trains only when the journey covers over 480 kilometers (formerly 300 miles. These limitations have been prescribed in order to avoid over-crowding of long-distance trains by short distance passengers and to prevent unintended benefits, they can however, be relaved in individual cases by the individual Railway Administrations, where such a course is justified.

Foodgrains Target during the Third Plan

735. **Shri D. C. Sharma:** Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether the Planning Commission has fixed the target of foodgrains production and the necessary allocation under the Third Five Year Plan for Punjab; and

(b) if so, the details thereof?

The Deputy Minister of Agriculture (Shri M. V. Krishnappa): (a) and (b). Yes. The target of additional production envisaged during the Third Plan period for Punjab is 18.50 lakh tons and the total production of foodgrains is 78.50 lakh tons. This target of additional production is expected to be achieved from the following schemes:

Major irrigation,
Minor irrigation,
Fertilisers and Manures,
Green Manures,
Improved seeds,
Soil Conservation,